

प्रेषक,

ओम प्रकाश,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
विद्यालयी शिक्षा,
उत्तराखण्ड देहरादून।

माध्यमिक शिक्षा अनुभाग-3

देहरादून, दिनांक: 10 नवम्बर, 2011

विषय:- जिला पुस्तकालय हरिद्वार के चालू निर्माण कार्य के लिए धनराशि की स्वीकृति।
महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या: 5ख 2/57732/पुस्तकालय/2011-12 दिनांक: 22 अक्टूबर, 2011 के सन्दर्भ में तथा शासनादेश संख्या: 2053/XXV-3/ 10/02 (113) 06, दिनांक: 16 जनवरी, 2008 एवं शासनादेश संख्या: 1882/XXV-3/ 10/02(113)06, दिनांक: 10 नवम्बर, 2010 के सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय जिला पुस्तकालय हरिद्वार के चालू निर्माण कार्य के लिए अनुमोदित लागत रु0 31.00 लाख के सापेक्ष पूर्व में स्वीकृत रु0 25.00 लाख की धनराशि को समायोजित करते हुए देय अवशेष धनराशि रु0 6.00 लाख (रुपये छः लाख मात्र) को आपके निर्वर्तन पर रखते हुए नियमानुसार व्यय करने की सहर्ष स्वीकृति निम्नांकित शर्तों के अधीन प्रदान करते हैं:-

1. कार्य करने से पूर्व मदवार दर विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों के आधार पर तथा जो दरें शेड्यूल ऑफ रेट्स में स्वीकृत नहीं हैं, अथवा बाजार भाव से ली गयी हो, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता/सक्षम अधिकारी से अनुमोदित करना आवश्यक होगा।
2. कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आंगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के किसी भी दशा में कार्य प्रारम्भ न किया जाय।
3. कार्य पर उतना ही व्यय किया जाये जितनी राशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाए।
4. एकमुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आंगणन गठित सक्षम अधिकारी से अनुमोदन प्राप्त कर लिया जाय।
5. कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मद्देनजर रखते हुए एवं लो0नि0वि0 द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।
6. आंगणन गठित करते समय तथा कार्य प्रारम्भ कराने से पूर्व उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 का अनुपालन सुनिश्चित किया जाये।
7. कार्य करने से पूर्व उच्चाधिकारियों एवं भूगर्भवेता (कार्य की आवश्यकतानुसार) से कार्य स्थल की भली-भाँति निरीक्षण अवश्य करा लिया जाए तथा निरीक्षण के पश्चात् दिये गये निर्देशों के अनुरूप ही कार्य कराया जाए।

—आ.प्र.—

8. निर्माण समग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाय तथा उपयुक्त सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाय।
9. मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या: 2047/XIV-219 (2006) दिनांक: 30.05.2006 द्वारा निर्गत आदेशों के क्रम में कार्य करते समय अथवा आंगणन गठित करते समय कड़ाई से पालन कराया जाना सुनिश्चित करें।
10. कार्य की धीमी प्रगति के लिए कार्यदायी संस्था को सचेत करते हुए उक्त कार्य की इसी वित्तीय वर्ष में पूर्ण कराकर भवन विभाग को हस्तान्तरित करा लिया जाना सुनिश्चित किया जायेगा, बिलम्ब के कारण किसी भी दशा में आंगणन पुनरीक्षण पर विचार नहीं किया जायेगा।
2. उपर्युक्त धनराशि का व्यय वर्तमान वित्तीय नियमों के अनुसार किया जाय और जहाँ आवश्यक हो, व्यय करने से पूर्व सक्षम प्राधिकारी की प्राविधिक स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय, कार्य की प्रगति की निरन्तर समीक्षा करते हुए कार्य को निर्धारित समय सारणी के अनुसार पूर्ण कराया जाना सुनिश्चित किया जाय। स्वीकृति धनराशि का उपयोगिता प्रमाण-पत्र निर्धारित प्रारूप पर यथा समय शासन तथा महालेखाकार को उपलब्ध करा दिया जाय। स्वीकृति की प्रत्याशा में अनुमोदित लागत से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
3. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2011-12 के आय-व्यय में अनुदान संख्या-11 के अधीन लेखाशीर्षक 4202-शिक्षा, खेलकूद तथा संस्कृति पर पूंजीगत परिव्यय, 01-सामान्य शिक्षा, 202-माध्यमिक शिक्षा, 00-आयोजनागत, -18- पुस्तकालय भवनों का निर्माण, -24-वृहद निर्माण के नामे डाला जायेगा।
4. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या: 231(P)XXVII(3) 2011-12 दिनांक: 08 नवम्बर, 2011 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(ओम प्रकाश)
सचिव।

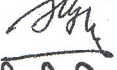
पृष्ठांकनसंख्या: 113 / P / XXIV-3/11/ 02(113)06 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड देहरादून।
- 2- निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड।
- 3- निजी सचिव, मा0 शिक्षा मंत्री, उत्तराखण्ड।
- 4- निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 5- निजी सचिव, अपर सचिव(स्वतन्त्र प्रभार) विद्यालयी शिक्षा, उत्तराखण्ड शासन।
- 6- अपर सचिव मा0 मुख्यमंत्री, मुख्यमंत्री कार्यालय अनुभाग, 4(घोषणा) उत्तराखण्ड शासन।
- 7- आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
- 8- जिलाधिकारी, हरिद्वार।
- 9- कोषाधिकारी, हरिद्वार।
- 10- जिला शिक्षा अधिकारी, हरिद्वार।

अभि

- 11- बजट राजकोषीय नियोजन एवं संशाधन निदेशालय सचिवालय।
- 12- वित्त विभाग(अनुभाग-3)/नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड शासन।
- 13- एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 14- सम्बन्धित निर्माण एजेन्सी।
- 15- भाषा अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 16- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(जी0पी0तिवारी)
अनुसचिव।